gradeup

भूगोल समसामयिकी अप्रैल २०२०

Prep Smart. Score Better. Go gradeup

www.gradeup.co

भूगोल सम्बन्धी घटनाएँ

अमेरिका वर्जीनिया द्वीप

खबरों में क्यों है?

• हाल ही में, संयुक्त राज्य वर्जिन द्वीप (यू.एस.वी.आई.) ने रसायनयुक्त सनस्क्रीन उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो प्रवाल भित्तियों और समुद्री जीवन के लिए हानिकारक माने जाते हैं।

• संयुक्त राज्य वर्जिन द्वीप, संयुक्त राज्य अमेरिका में पहला क्षेत्र बन गया है, जिसने सनस्क्रीन उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया है।

सनस्क्रीन के संदर्भ में जानकारी

• 3 Os- ऑक्सीबेंज़ोन, ऑक्टोक्राइलीन और ऑक्टिनॉक्सेट युक्त सनस्क्रीन, प्रवाल भित्तियों को नुकसान पहुंचाते हैं जो वर्जिन द्वीप समूह की तटरेखा की रक्षा करते हैं।

• खनिज ऑक्साइड जैसे जिंक ऑक्साइड और टाइटेनियम डाइऑक्साइड वाले सनस्क्रीन को प्रतिबंध से छूट प्रदान की गई है।

• इन रसायनों की सांद्रता, हमारे कुछ क्षेत्रीय जल में स्वीकार्य स्तर से 40 गुना अधिक है।

अन्य देश जिन्होंने सनस्क्रीन पर प्रतिबंध लगाया है:

• पलाऊ का द्वीपसमूह राष्ट्र, सनस्क्रीन प्रतिबंध लागू करने वाला पहला देश बनने वाला है, जो 2020 से प्रभावी होगा।

• फ्लोरिडा में की वेस्ट ने वर्ष 2021 से स्टोरों पर उन सनस्क्रीन को रखने पर प्रतिबंध लगा दिया है जिसमें विषाक्त 3 Os है।

• बोनाइर के कैरेबियाई द्वीप समूह ने 2021 तक सनस्क्रीन की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए सर्वसम्मति से मतदान किया है।

• हवाई सरकार ने भी वर्ष 2021 से उन सनस्क्रीन की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए वोट किया है जिसमें प्रवाल भित्तियों को हानि पहुँचाने वाले रसायन ऑक्सीबेंज़ोन और ऑक्टिनॉक्सेट हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण, स्रोत- डाउन टू अर्थ

नातुना द्वीप

खबरों में क्यों है?

• चीन अवैध रूप से नातुना द्वीप समूह क्षेत्र में मछली पकड़ रहा है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इंडोनेशिया के विशिष्ट क्षेत्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।

नातुना द्वीप के संदर्भ में जानकारी

• नातुना द्वीप, 272 द्वीपों का एक द्वीपसमूह है, जो मलेशिया और बोर्नियो (कालीमंतन) के बीच स्थित है।

• वे इंडोनेशिया के रियाउ द्वीप समूह प्रांत (दक्षिण चीन सागर का पश्चिमी हिस्सा) का एक हिस्सा बनाते हैं।

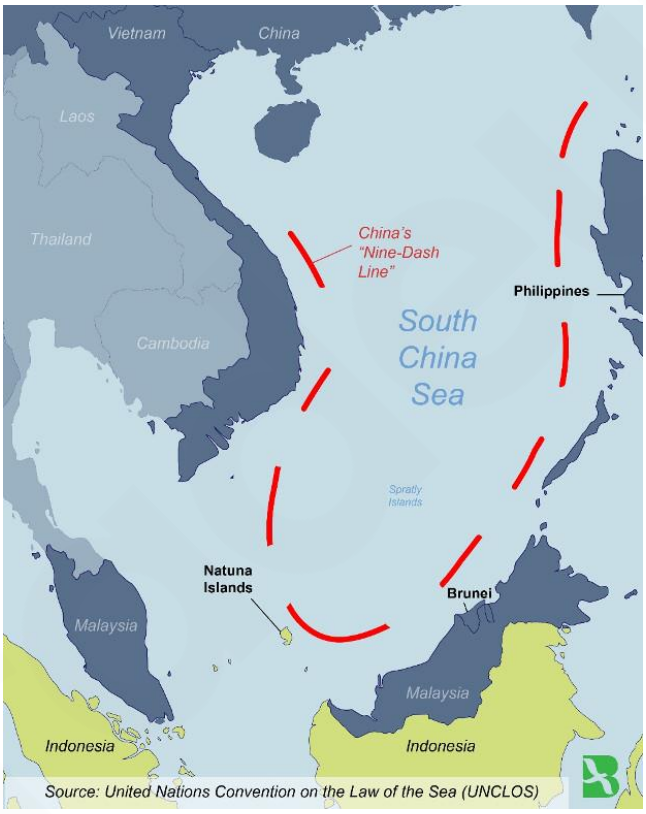

दक्षिण चीन सागर के संदर्भ में जानकारी

• यह दक्षिण पूर्व एशिया में पश्चिमी प्रशांत महासागर का एक भाग है।

• यह चीन के दक्षिण, वियतनाम के पूर्व और दक्षिण, फिलीपींस के पश्चिम और बोर्नियो द्वीप के उत्तर में स्थित है।

• ताइवान जलडमरूमध्य इसे पूर्वी चीन सागर से जोड़ता है और लुजॉन जलसंधि द्वारा फिलीपीन सागर से जोड़ता है।

• इसमें कई शोल, प्रवाल, प्रवाल द्वीप और द्वीप शामिल हैं।

• पेरासेल द्वीप समूह, स्प्राटली द्वीप समूह और स्कारबोरो शोल सबसे महत्वपूर्ण हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- भूगोल

स्रोत- न्यूयॉर्क टाइम्स

धौलाधार पर्वत श्रृंखला

खबरों में क्यों है?

• हाल ही में, धौलाधार पर्वत श्रृंखला पहली बार पंजाब के जालंधर से दिखाई दे रही है, क्योंकि चल रहे लॉकडाउन के कारण वायु प्रदूषण काफी कम हो गया है।

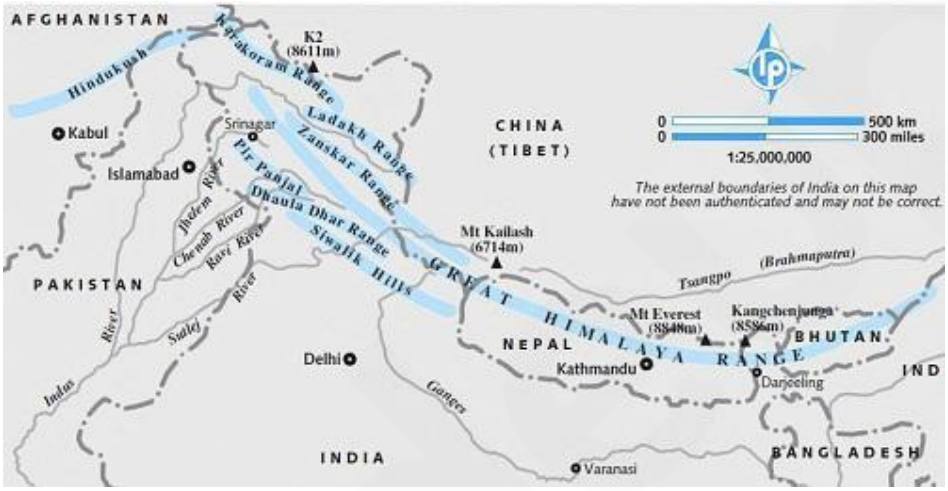

धौलाधार पर्वत श्रृंखला के संदर्भ में जानकारी

• यह पहाड़ों की निम्न हिमालयी श्रृंखला का हिस्सा है और मुख्य रूप से हिमाचल प्रदेश में स्थित है।

• ये पहाड़ मुख्यत: ग्रेनाइट से बने हैं, लेकिन चूना पत्थर और बलुआ पत्थर भी कुछ हिस्सों में मौजूद हैं।

• लाम डल झील, एक ग्लेशियर झील, भी इस पर्वत श्रृंखला में स्थित है।

• इस पर्वत श्रृंखला में से एक प्रमुख दर्रा इंद्रहार दर्रा है, जो राज्य के कांगड़ा और चंबा जिलों के बीच की सीमा का निर्माण करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- भूगोल

स्रोत- द हिंदू

ग्रेट बैरियर रीफ की तीसरी मास-ब्लीचिंग: अध्ययन

खबरों में क्यों है?

• हाल ही में, ऑस्ट्रेलिया के ग्रेट बैरियर रीफ को रिकॉर्ड स्तरीय सबसे व्यापक प्रवाल विरंजन का सामना करना पड़ा है, जो कि दुनिया के सबसे बड़े जीवित जीव के लिए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न एक बड़ा खतरा है।

प्रवाल भित्ति क्या हैं?

• प्रवाल भित्ति, छोटे जीवों के उपनिवेश हैं, जो महासागरों में पाए जाते हैं।

• वे पानी के नीचे की संरचनाएं हैं जो प्रवाल जंतुओं से बनती हैं जो कैल्शियम कार्बोनेट द्वारा एक साथ जुड़ी होती हैं।
• प्रवाल भित्ति को समुद्र के उष्णकटिबंधीय वर्षावन के रूप में भी माना जाता है और समुद्र की सतह के केवल 0.1% हिस्से पर कब्जा करते हैं, लेकिन 25% समुद्री प्रजातियों का घर है।

प्रवाल विरंजन क्या है?
• प्रवाल और ज़ूक्सैंथेला, एक सहजीवी संबंध साझा करते हैं और शैवाल द्वारा उत्पादित पोषक तत्वों का 90% प्रवाल आयोजकों को हस्तांतरित किया जाता है।
• लेकिन यह संबंध गंभीर पर्यावरणीय तनाव के अंतर्गत प्रभावित होता है जो सहजीवी शैवाल (ज़ूक्सैंथेला) के नुकसान का कारण बनता है।
• इसके परिणामस्वरूप, सफेद कैल्शियम-कार्बोनेट बाह्य कंकाल अपने पारदर्शी ऊतक के माध्यम से दिखाई देता है, जो प्रवाल विरंजन नामक स्थिति को बढ़ावा देता है।
• प्रवाल, शैवाल की अनुपस्थिति में कमजोर हो जाते हैं और यदि समुद्र का तापमान हफ्तों तक अधिक रहता है तो वे मरना शुरू हो जाते हैं।
• 2016 और 2017 के रिकॉर्ड के अनुसार, आधा ग्रेट बैरियर रीफ, प्रवाल विरंजन के कारण मर गया था।

वाल भित्ति के प्रकार
प्रवाल भित्तियों को उनके आकार, प्रकृति और पाए जाने के मोड के आधार पर तीन श्रेणियों में विभेदित किया जाता है।

A. फ्रिंज भित्ति
• प्रवाल भित्तियाँ, जो भूमि के बहुत करीब पाई जाती हैं और एक उथले लैगून का निर्माण करती हैं जिन्हें बोट चैनल के नाम से जाना जाता है, वे फ्रिंज प्रवाल भित्ति कहलाती हैं।
• फ्रिंज भित्तियां, द्वीपों और महाद्वीपीय सीमांतो के किनारे विकसित होती हैं।
• वे समुद्र के गहरे तल से उगती हैं और समुद्र के ओर की सीधी ढलान गहरे समुद्र में जाती है।
• ये तीनों में सबसे अधिक पाई जाने वाली प्रवाल भित्तियाँ हैं।
• उदाहरण: न्यू हर्बाइड्स, दक्षिण फ्लोरिडा भित्ति में सकाउ द्वीप

B. बैरियर भित्ति

- बैरियर भित्ति को तीनों प्रवाल भित्तियों में सबसे बड़ी, सबसे ऊंची और चौड़ी भित्ति माना जाता है।
- वे तट से दूर और किनारे के समानांतर एक टूटे हुए और असमान गोले के रूप में विकसित होती हैं।
- बैरियर भित्ति का उदाहरण: ऑस्ट्रेलिया का ग्रेट बैरियर भित्ति, जो 1200 मील लंबी है।

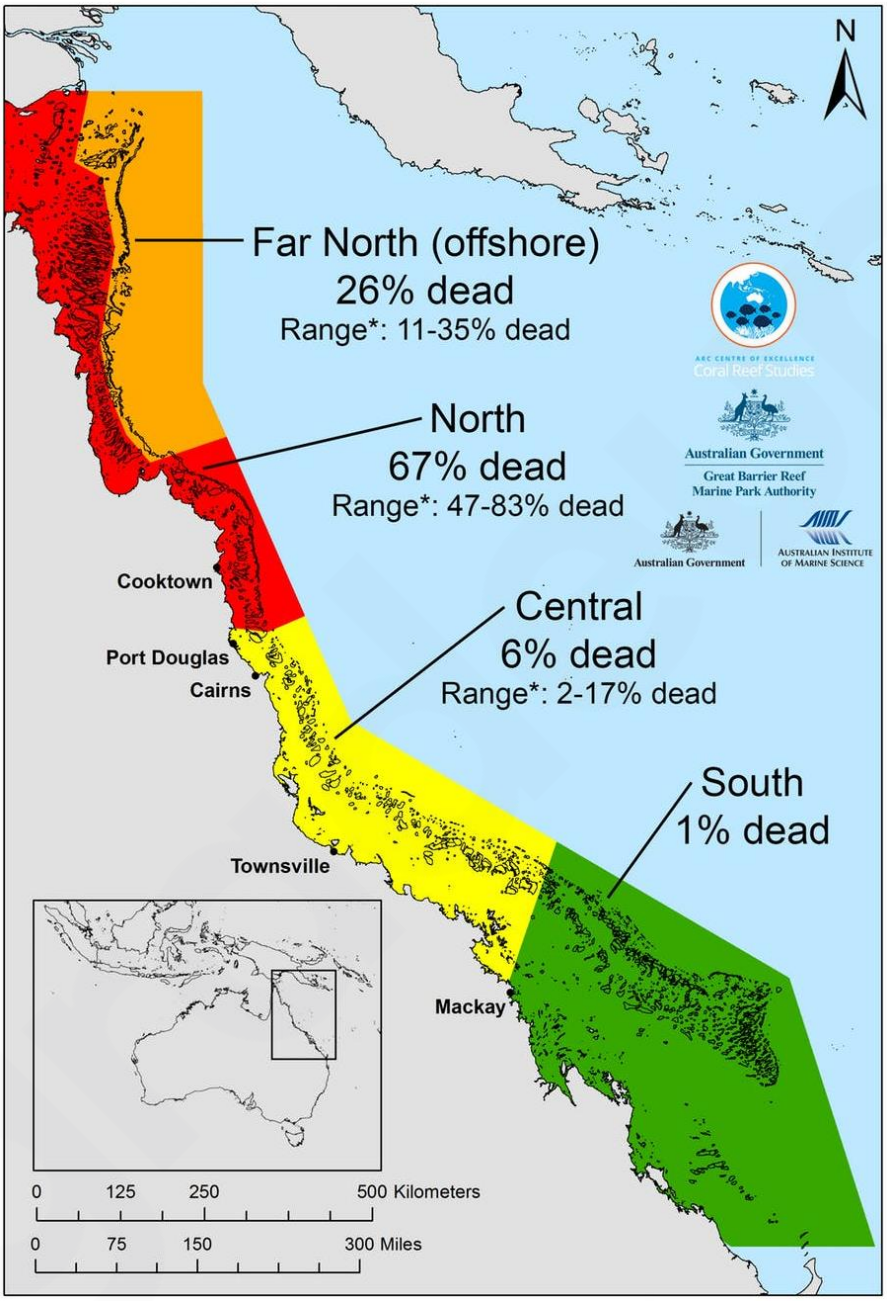

प्र

C. प्रवाल द्वीप:

- एक प्रवाल द्वीप को एक भित्ति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो लगभग गोलाकार होती है और एक बड़ी केंद्रीय लैगून को घेरती है।
- इस लैगून की गहराई ज्यादातर 80-150 मीटर होती है।

Gradeup Green Card
Unlimited Access to 100+ Mock Tests
UPSC CSE, UPSC EPFO & State PCS Exams
Enrol Now

• प्रवाल द्वीप, गहरे समुद्र के प्लेटफार्मों से दूर स्थित होते हैं और एक द्वीप के आसपास या पनडुब्बी प्लेटफॉर्म पर अण्डाकार रूप में पाए जाते हैं।
• उदाहरण: फिजी प्रवाल द्वीप, मालदीव में सुवादिवो और एलिस के फुनाफूथिस प्रवाल द्वीप

प्रवाल विरंजन के लिए जिम्मेदार कारक

• पानी का बढ़ा हुआ तापमान (सामान्यत: ग्लोबल वार्मिंग के कारण) या पानी का घटा हुआ तापमान
• जूप्लांकटन (प्राणीमंदप्लवक) के स्तर में वृद्धि के कारण ऑक्सीजन की अत्यधिक कमी
• संवर्धित सौर विकिरण (प्रकाश संश्लेषण रूप से सक्रिय विकिरण और पराबैंगनी प्रकाश)
• संवर्धित अवसादन (तलछट अपवाह के कारण)
• लवणता में जीवाणु संक्रमण परिवर्तन
• शाकनाशी
• अत्यधिक कम ज्वार और जोखिम
• साइनाइड मछली पकड़ना
• प्रदूषक जैसे कि ऑक्सीबेंज़ोन, ब्यूटिलपैराबेन, ओक्टाइल मेथोक्सीसिनैमेट या एंजाकैमिन: चार सामान्य सनस्क्रीन तत्व जो नॉन-बॉयोडीग्रेडेबल हैं और त्वचा को धो सकते हैं।
• वायु प्रदूषण के कारण CO2 के उच्च स्तर के कारण महासागर का अम्लीकरण
• तेल या अन्य रासायनिक फैलाव के संपर्क में होना

भारत में प्रवाल भित्ति

• भारत में प्रमुख प्रवाल भित्तियों में पाल्क खाड़ी, मन्नार की खाड़ी, कच्छ की खाड़ी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप द्वीप समूह शामिल हैं।
• इन सभी प्रवाल भित्तियों में लक्षद्वीप भित्ति, प्रवाल द्वीप का एक उदाहरण है, जब कि बाकी सभी फ्रिंज भित्तियां हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- भूगोल

स्रोत- डाउन टू अर्थ

अनक कृकातौ ज्वालामुखी

खबरों में क्यों है?

• हाल ही में, इंडोनेशियाई अनक कृकातौ ज्वालामुखी ने वर्ष 2018 में अपने विस्फोटक पतन के बाद सबसे लंबा विस्फोट देखा है।

अनक कृकातौ के संदर्भ में जानकारी

• अनक कृकातौ, इंडोनेशिया के लामपुंग प्रांत में जावा और सुमात्रा के द्वीपों के बीच सुंडा जलसंधि में कॉल्डेरा में एक द्वीप है।
• 29 दिसंबर, 1927 को अनक कृकातौ 1883 में बने कॉल्डेरा से ज्वालामुखी विस्फोट से उभरकर सामने आया था, जिसने कृकातौ द्वीप को नष्ट कर दिया था।
• अनक कृकातौ, जिसका अर्थ कृकातौ का बच्चा है, यह प्रसिद्ध कृकातौ ज्वालामुखी की संतान है, जिसके 1883 के स्मारकीय विस्फोट से वैश्विक शीतलन का दौर शुरू हुआ था।

हाल ही में देखी गई अन्य ज्वालामुखी गतिविधियां:

ताल ज्वालामुखी

• यह मनीला से 50 कि.मी. दूर लुजोन द्वीप पर स्थित है, 12 जनवरी, 2020 को फिलीपींस में विस्फोट हुआ था। इसे फिलीपींस ज्वालामुखी विज्ञान एवं भूकंप विज्ञान संस्थान द्वारा "जटिल" ज्वालामुखी के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

• एक जटिल ज्वालामुखी, जिसे यौगिक ज्वालामुखी भी कहा जाता है, इसे ऐसे ज्वालामुखी के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसमें केवल एक मुख्य द्वार या शंकु नहीं होता है, लेकिन कई विस्फोट बिंदु होते हैं। ऐसा ही एक अन्य उदाहरण इटली के पश्चिमी तट पर स्थित माउंट वेसुवियस है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- भूगोल

स्रोत- ए.आई.आर.

मैटरहॉर्न पर्वत

खबरों में क्यों है?

• स्विट्जरलैंड ने स्विस आल्प्स में मैटरहॉर्न पर्वत पर तिरंगा बनाकर कोरोनोवायरस महामारी के खिलाफ अपनी लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की है।

Gradeup Green Card
Unlimited Access to 100+ Mock Tests
UPSC CSE, UPSC EPFO & State PCS Exams
Enrol Now

मैटरहॉर्न पर्वत के संदर्भ में जानकारी

• मैटरहॉर्न, स्विट्जरलैंड और इटली की सीमा पर स्थित आल्प्स का एक पर्वत है।

• यह पेन्निने आल्प्स के विस्तारित मोंटे रोजा क्षेत्र में एक व्यापक, सममित पिरामिडनुमा चोटी है, जिसकी ऊँचाई 4,478 मीटर (14,692 फीट) है।

• यह आल्प्स और यूरोप का छठा सबसे ऊँचा पर्वत है।

आल्प्स पर्वत के संदर्भ में जानकारी

• आल्प्स, एक व्यापक पर्वत श्रृंखला है जो पूरी तरह से यूरोप में स्थित है।

• यह आठ अल्पाइन देशों: फ्रांस, स्विट्जरलैंड, मोनाको, इटली, लिचेटेंस्टीन, ऑस्ट्रिया, जर्मनी और स्लोवेनिया में फैला हुआ है। मोंट ब्लांक, आल्प्स का सबसे ऊंचा पर्वत है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 1-भूगोल

स्रोत- द हिंदू

पेरियार नदी

खबरों में क्यों है?

• हाल ही में, यहां के निवासियों ने पथाराम बांध के शटर खोले जाने के बाद 'पेरियार नदी' के कुछ हिस्सों को काला होते हुए देखा है।

पेरियार नदी के संदर्भ में जानकारी

• यह केरल की सबसे लंबी नदी है, जिसे केरल की जीवन रेखा के रूप में जाना जाता है।

• यह एक बारहमासी नदी है।

• यह इस क्षेत्र की कुछ बारहमासी नदियों में से एक है और कई प्रमुख शहरों के लिए पीने का पानी प्रदान करती है।

• पेरियार नदी पर इदुक्की बांध, केरल की विद्युत शक्ति का एक महत्वपूर्ण अनुपात उत्पन्न करता है।

• यह पेरियार राष्ट्रीय उद्यान से होती हुई पेरियार झील में उत्तर दिशा में बहती है, जो 1895 में नदी पर एक बांध के निर्माण से निर्मित 55 वर्ग कि.मी. का कृत्रिम जलाशय है।

• पानी को झील से पश्चिमी घाट से गुजरती हुई एक सुरंग के माध्यम से तमिलनाडु की वैगई नदी में मोड़ा जाता है।
• झील से, यह नदी उत्तर पश्चिम में नीलेस्वरम गांव से होकर वेम्बानड झील में बहती है और अरब सागर तट तक जाती है।
• पेरियार झील बांध और सुरंग से गुजरती हुई नदी तमिलनाडु के पांच सूखाग्रस्त जिलों के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, जिनमें थेनी, मदुरई और रामनाथपुरम शामिल हैं।

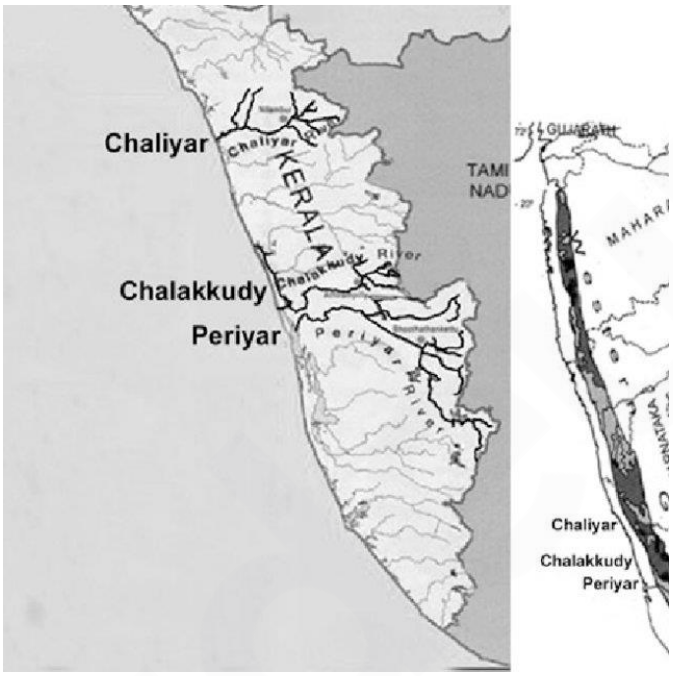

नदी का स्रोत

• यह पश्चिमी घाट की शिवगिरी पहाड़ियों से निकलती है और पेरियार राष्ट्रीय उद्यान से होकर पेरियार झील तक पहुँचती है और फिर पानी वेम्बनाड झील में गिरता और अंत में अरब सागर में गिरती है।

प्रमुख सहायक नदियां

• इसकी सबसे बड़ी सहायक नदियां मुथिरापुझा नदी, मुल्लायार नदी, चेर्रूथोनी नदी, पेरिंजंकुट्टी नदी और एडामाला नदी हैं।

इस नदी पर स्थित बांध

A. मुल्लापेरियार बांध

• यह केरल के इदुक्की जिले में मुल्लायार और पेरियार नदियों के संगम पर स्थित है, जिसका पड़ोसी राज्य तमिलनाडु द्वारा संचालन और रखरखाव किया जाता है।

B. इदुक्की बांध

• यह पेरियार नदी पर स्थित है और केरल की विद्युत शक्ति का एक महत्वपूर्ण अनुपात उत्पन्न करता है।

नदी पर अन्य मौजूदा पनबिजली परियोजनाएं

• सेंगुलम

• नेरीमंगलम
• पन्नियार

केरल में आर्द्रभूमि:

a) **अष्टमुडी झील:** यह कोल्लम जिले में एक प्राकृतिक बांध है। कल्लादा और पल्लीचल नदियां, इसमें गिरती हैं। यह नींदरकारा में समुद्र के साथ एक मुहाना बनाती है, जो केरल का एक प्रसिद्ध मछली पकड़ने का बंदरगाह है। 'राष्ट्रीय जलमार्ग 3' इससे होकर गुजरता है। कंजीराकोड कायल के करीमेन, अष्टमुडी झील से निकलने वाले प्रमुख मछली बंदरगाह है।

b) **सस्थमकोट्टा झील:** यह केरल की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है, जो कोल्लम जिले में स्थित है। धान के खेत की एक पट्टी से गुजरती हुई कोल्लड नदी की एक अनूठी पुनःपूर्ति प्रणाली थी, जो अब अव्यवस्थित रेत और मिट्टी के खनन के कारण गायब हो गई है। पुन: पूर्ति तंत्र के विनाश के कारण झील अब कम हो रही है।

c) **वेम्बनाड-कोल आद्रभूमि:** यह केरल की सबसे बड़ी झील है, जो अलप्पुझा, कोट्टायम और एर्नाकुलम जिलों में फैली हुई है। हाउसबोट के लिए जाने जाने वाले अलाप्पुझा और कुमायेकॉम जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थल यहां स्थित हैं। वेम्बनाड में पम्बा-अचेनकोविल नदियों के नदी मुहाने केरल की अनूठी आद्रभूमि स्थलाकृति, कुट्टानाद का निर्माण करते हैं। यह समुद्र तल से नीचे है और विदेशी मछली की किस्मों और धान के खेतों के लिए प्रसिद्ध है, जो समुद्र तल से नीचे हैं।

नोट: कुट्टानाद के किसान जैव-खारी कृषि के लिए प्रसिद्ध हैं। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफ.ए.ओ.) ने कुट्टानाड कृषि प्रणाली को वैश्विक रूप से महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली (जी.आई.ए.एच.एस.) घोषित किया है। केरल की प्रमुख नदियों में से चार नदियां पम्बा, मीनाचिल, अचनाकोविल और मणिमाला इस क्षेत्र में बहती हैं। यह पन्नमादा बांध में नाव की दौड़ के लिए प्रसिद्ध है, जिसे मलयालम में वल्लमकल्ली के रूप में जाना जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- भूगोल

स्रोत- द हिंदू

एडक्कल गुफाएं

खबरों में क्यों हैं?

• हाल ही में अंबुकुथी पहाड़ियों के पूर्वी भाग पर एक बड़ी दरार विकसित हुई है, जिस पर कुछ दिनों पहले आग लगने के बाद स्थित एडक्कल गुफाओं का कुछ भाग नष्ट हो गया है।

एडक्कल गुफाओं के संदर्भ में जानकारी

• यह केरल में वायनाड जिले के सुल्तान बाथरी तालुक में अम्बुकुथी पर्वत पर स्थित है।

ऐतिहासिक महत्व

• एडक्कल गुफाएं, अपने सचित्र चित्रों (गुफा चित्रों) के लिए प्रसिद्ध हैं, जिन्हें 6000 ई.पू. का माना जाता है, जो भारत में पाषाण युग की नक्काशी के साथ एकमात्र ज्ञात स्थान है, जो नवपाषाण और मध्यपाषाण युग से संबंधित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- भूगोल
स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

आई.एम.डी. ने चक्रवात नामों की नई सूची जारी की है।

खबरों में क्यों है?

• भारत मौसम विज्ञान विभाग (आई.एम.डी.) ने बंगाल की खाड़ी और अरब सागर सहित उत्तर हिंद महासागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के नामों की एक नई सूची जारी की है।

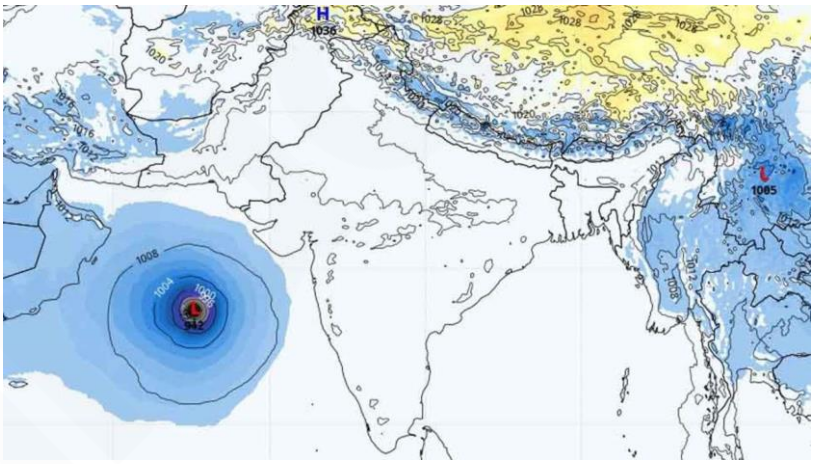

कुछ प्रमुख विशेषताएं

• इसमें 169 नाम शामिल हैं, जिनमें 13 भारत से शामिल हैं जैसे कि गति, तेज, आग, नीर, व्योम, झार और जलधि हैं।

• नई सूची में भारत के अन्य नामों में मुरासु, प्रोबहो, प्रभंजन, घुमी, अंबुद और वेग शामिल हैं।

Gradeup Green Card
Unlimited Access to 100+ Mock Tests
UPSC CSE, UPSC EPFO & State PCS Exams
Enrol Now

• वर्तमान सूची में, वास्तविकता में, बांग्लादेश, ईरान, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, श्रीलंका, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और यमन सहित क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम केंद्रों (आर.एस.एम.सी.) के सभी 13 सदस्य देशों में प्रत्येक के 13 नाम शामिल हैं।

नाम कैसे निर्धारित किए जाते हैं?

• कोई भी उष्णकटिबंधीय चक्रवात जो क्षेत्र से टकराता है उसे सूची में दिए गए नाम से जाना जाता है।

• चूंकि वर्ष 2004 की पूर्व सूची में केवल एक ही नाम- अम्फन (थाईलैंड द्वारा साझाकृत) शेष है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के संदर्भ में जानकारी

• भारत मौसम विज्ञान विभाग, उष्णकटिबंधीय चक्रवात और तूफान वृद्धि की सलाह देने के लिए विश्व के छह आर.एस.एम.सी. में से एक है, जिसने 169 नामों की नई सूची को अंतिम रूप प्रदान किया है।

महत्व

• उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का नामकरण वैज्ञानिक समुदायों, आपदा प्रबंधकों, मीडिया और आम जनता की निम्न में मदद करता है:

A. प्रत्येक व्यक्तिगत चक्रवात की पहचान करने में

B. इसके विकास के संदर्भ में जागरूकता पैदा करने में

C. एक क्षेत्र पर उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की एक साथ घटना के संदर्भ में भ्रम को दूर करने में

D. एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात को आसानी से याद रखने में

E. बहुत अधिक दर्शकों के लिए चेतावनी को तेज और प्रभावी ढंग से प्रसारित करने में

कुछ उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के नाम

A. निसरगा (बांग्लादेश द्वारा साझाकृत)

B. गति (भारत)

C. निवार (ईरान)

नोट: उत्तर हिंद महासागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के नाम दोहराए नहीं जाते हैं अर्थात एक बार उपयोग किए जाने बाद दोबारा इसका इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

पैरासेल और स्प्रैटली द्वीप विवाद

खबरों में क्यों है?

• हाल ही में, चीन ने एकतरफा रूप से स्प्रैटली और पेरासेल द्वीपसमूह (दक्षिण चीन सागर में) के आस-पास के 80 द्वीपों, भित्तियों और अन्य भौगोलिक विशेषताओं के नाम चीनी नामों से बदल दिए हैं, जिसकी उन पड़ोसी देशों ने आलोचना की है, जिन्होंने उस क्षेत्र में दावा किया है।

स्प्रैटली द्वीप समूह के संदर्भ में जानकारी

• स्प्रैटली द्वीप समूह, दक्षिण चीन सागर में एक विवादित द्वीपसमूह है, जो काफी हद तक निर्जन है।

विवाद में शामिल देश: चीन, ताइवान, वियतनाम, फिलीपींस और मलेशिया और ब्रुनेई हैं, जिन्होंने भी स्प्रैटली के दक्षिणपूर्वी हिस्से पर दावा किया है।

पैरासेल द्वीप समूह के संदर्भ में जानकारी

• पैरासेल द्वीपसमूह, एक विवादित द्वीपसमूह है जो 130 द्वीपों और प्रवाल भित्तियों का संग्रह है और दक्षिण चीन सागर में स्थित है, जो चीन और वियतनाम से लगभग समान दूरी पर स्थित है।

विवाद में शामिल देश: चीन और वियतनाम हैं

टॉपिक-जी.एस. पेपर 1- भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

Gradeup Green Card
Unlimited Access to 100+ Mock Tests
UPSC CSE, UPSC EPFO & State PCS Exams
Enrol Now

gradeup

भूगोल समसामयिकी अप्रैल २०२०

Prep Smart. Score Better. Go gradeup

www.gradeup.co